Dr. Madan Paswan, History | Lecture No. 12 (1)

Class : B.A. Part-II (Hons.) P. III | Date : 09.10.2020

Topic : Iqta System... | Continue...

② **मुद्रा प्रणाली :** दिल्ली सल्तनत की स्थापना के साथ ही मुद्रा अर्थव्यवस्था में वृद्धि हुई। इल्तुतमिश ने चाँदी के टंका तथा ताँबे के जीतल सिक्के जारी किये। बरनी दांग और दिरहम की चर्चा करता है, जो सल्तनत में प्रचलित थे।

1 चाँदी का टंका = 48 जीतल = 192 दांग = 490 दिरहम।

बंगाल द्वारा प्रेषित सोना तथा चाँदी, 13वीं शताब्दी के दौरान सिक्कों की ढलाई का मुख्य स्रोत था।

मुहम्मद तुगलक ने ताँबे तथा पीतल की मिश्रित धातु का प्रतीक मुद्रा जारी किया था। जिस पर फारसी में अभिलेख भी था।

जो महत्वपूर्ण भाग को दर्शाया गया है।

③ **नगरी उत्पादन :**

दिल्ली सल्तनत की स्थापना ने शहरी उत्पादन को बढ़ावा दिया। सल्तनकालीन शासक वर्ग शहर में रहते थे तथा भूमिकर के रूप में प्राप्त धन का भुगतान वे विलासिता संबंधी वस्तुएँ खरीदकर करते थे।

उस धन का एक भाग गुणक प्रभाव के कारण शिल्प उत्पादन के क्षेत्र में जाता था जबकि शासक तथा अमीर वर्ग की मांग अधिक मूल्य की विलासिता की वस्तुओं की थी। लेकिन इन पर निर्भर निम्न वर्ग ने

Continue...

साधारण आवश्यकता के शिल्प उत्पादन के लिए एक बड़े बाजार को जन्म दिया। नगरीय उत्पादन को आक्रमणकारियों द्वारा भारत लाई गई नई तकनीकों ने भी बढ़ावा दिया था।

Continue Lecture ....

Dr. M. Paswan, History.